REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)
VOLUME - 8 | ISSUE - 12 | SEPTEMBER - 2019

पर्यटन और सरगुजा जिले के वाणिज्य में इसकी भूमिका

डॉ. शैहून एक्का
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य)
शासकीय नवीन महाविद्यालय, बतौली, जिला - सरगुजा (छ. ग.).

सारांश:

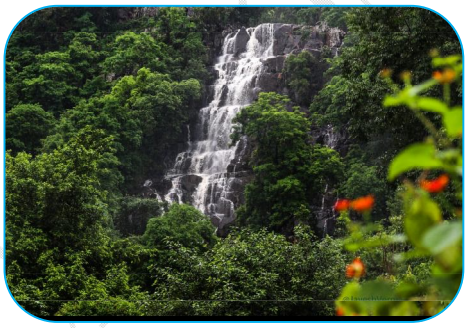

यह शोध पत्र छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के वाणिज्यिक परिदृश्य को बढ़ाने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका का पता लगाता है। अध्ययन में जांच की गई है कि पर्यटन किस तरह से इस क्षेत्र में आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और स्थानीय उद्यमिता में योगदान देता है, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक सुंदरता के लिए जाना जाता है। मिश्रितपद्धति दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए, स्थानीय व्यवसायों के सर्वेक्षणों और पर्यटन हितधारकों के साथ साक्षात्कार के माध्यम से जानकारी एकत्रित की गयी है। निष्कर्षों से पता चलता है कि पर्यटन ने स्थानीय राजस्व को काफी बढ़ाया है और पर्याप्त रोजगार के अवसर निर्माण किए हैं, पर्यटन पहलों के कारण व्यावसायिक आय में अनुमानित ३०% की वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, यह शोध पत्र पर्यटन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों की जांच करता है, जिसमें सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अवसरों और संभावित सांस्कृतिक वस्तुकरण द्वारा उत्पन्न चुनौतियों दोनों पर प्रकाश डाला गया है। शोध का निष्कर्ष है कि पर्यटन सरगुजा के लिए महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ प्रस्तुत करता है, लेकिन बुनियादी ढांचे की कमी और पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने, दीर्घकालिक विकास और सामुदायिक कल्याण सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक योजना और टिकाऊ अभ्यास आवश्यक हैं।

मुख्य शब्द: पर्यटन, सरगुजा जिला, वाणिज्य, आर्थिक विकास, स्थानीय उद्यमिता

परिचय:

भारत के छत्तीसगढ़ के उत्तरपूर्वी भाग में स्थित सरगुजा जिला अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, सुरम्य परिदृश्य और महत्वपूर्ण आदिवासी विरासत के लिए जाना जाता है। घने जंगलों, झरनों और वन्यजीव अभयारण्यों सहित अपने प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के साथ, सरगुजा में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएँ हैं। जिले की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक समृद्धि का अनूठा मिश्रण आर्थिक विकास और सामुदायिक सशक्तिकरण के उत्प्रेरक के रूप में पर्यटन का उपयोग करने का एक मूल्यवान अवसर प्रस्तुत करता है।

पर्यटन सरगुजा जैसे क्षेत्रों के आर्थिक ढांचे में एक बहुआयामी भूमिका निभाता है, जो राजस्व सृजन, रोजगार सृजन और स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा देने के अवसर प्रदान करता है। जैसे-जैसे पर्यटन क्षेत्र का विस्तार होता है, इसमें आतिथ्य, परिवहन और हस्तशिल्प जैसे सहायक उद्योगों को प्रोत्साहित करने की क्षमता होती है, जिससे स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा मिलता है। पर्यटन और वाणिज्य के बीच यह अंतर्संबंध स्थायी पर्यटन प्रथाओं को विकसित करने के महत्व को उजागर करता है जो समुदाय के लिए दीर्घकालिक लाभ प्रदान कर सकते हैं।

अपनी क्षमता के बावजूद, सरगुजा जिले को पर्यटन के आर्थिक लाभों को पूरी तरह से साकार करने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा, सीमित विपणन प्रयास और पर्यटकों की आवाजाही में मौसमी उतार-चढ़ाव ने इस क्षेत्र के विकास को बाधित किया है। इसके अलावा, पर्यटन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों के बारे में चिंताएँ हैं जिसमें सांस्कृतिक वस्तुकरण और पर्यावरणीय गिरावट का जोखिम शामिल है। इसलिए, पर्यटन की

गतिशीलता और सरगुजा के वाणिज्य में इसकी भूमिका को समझना प्रभावी नीतियों और रणनीतियों को तैयार करने के लिए आवश्यक है जो सतत विकास को बढ़ावा देते हैं।

इस शोध पत्र का उद्देश्य सरगुजा जिले के वाणिज्यिक परिदृश्य को बढ़ाने में पर्यटन की भूमिका का पता लगाना है। यह स्थानीय व्यवसायों पर पर्यटन के आर्थिक प्रभावों, सृजित रोजगार के अवसरों और सामुदायिक कल्याण में समग्र योगदान का विश्लेषण करेगा। इसके अतिरिक्त, यह शोधपत्र पर्यटन क्षेत्र के सामने आने वाली चुनौतियों को संबोधित करेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था और सरगुजा की सांस्कृतिक अखंडता दोनों को लाभ पहुँचाने वाले स्थायी पर्यटन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सिफारिशें प्रस्तावित करेगा। इन पहलुओं की व्यापक जाँच के माध्यम से, अध्ययन सरगुजा जिले में आर्थिक वृद्धि और विकास को आगे बढ़ाने में पर्यटन के महत्वपूर्ण महत्व को उजागर करना चाहता है।

शोध के उद्देश्य:

१) सरगुजा जिले की समग्र अर्थव्यवस्था में पर्यटन के योगदान का मूल्यांकन करना, राजस्व सृजन और स्थानीय व्यवसायों में वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करना।

२) यह जांच करना कि पर्यटन विकास ने सरगुजा में किस तरह से रोजगार के अवसर निर्माण किए हैं, जिसमें आतिथ्य, परिवहन और हस्तशिल्प जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार शामिल हैं।

३) स्थानीय उद्यमिता और छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देने में पर्यटन की भूमिका की जांच करना, सफलता की कहानियों को उजागर करना और स्थानीय उद्यमियों के सामने आने वाली चुनौतियों की पहचान करना।

४) सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और सांस्कृतिक वस्तुकरण से संबंधित संभावित मुद्दों सहित सरगुजा समुदाय पर पर्यटक के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों का आकलन करना।

५) सरगुजा में पर्यटन विकास में बाधा डालने वाली मौजूदा बुनियादी ढाँचा चुनौतियों की पहचान करना और सतत पर्यटन विकास का समर्थन करने के लिए सुधारों की सिफारिश करना।

साहित्य समीक्षा:

पर्यटन आर्थिक विकास, स्थानीय उद्यमिता और सामुदायिक कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं के लिए पर्याप्त आय उत्पन्न करता है, रोजगार के अवसर निर्माण करता है और संबंधित क्षेत्रों में विकास को प्रोत्साहित करता है। पर्यटन खर्च का गुणक प्रभाव कई व्यवसायों को लाभ पहुँचाता है, आर्थिक लचीलापन और सामुदायिक पहचान को बढ़ाता है। सरगुजा जिले की पर्यटन क्षमता इसकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक आकर्षणों द्वारा उजागर की गई है, जो पर्यटन के बुनियादी ढांचे में रणनीतिक योजना और निवेश की आवश्यकता को उजागर करती है।

पर्यटन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों को अच्छी तरह से प्रलेखित किया गया है, जिसमें मैककेचर और डु क्रोस (२००२) तर्क देते हैं कि पर्यटन सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा दे सकता है, लेकिन यह सांस्कृतिक वस्तुकरण के जोखिम भी निर्माण करता है। सरगुजा में पर्यटन के निहितार्थों को समझने के लिए यह द्वंद्व आवश्यक है, जहाँ आदिवासी संस्कृति सामुदायिक पहचान में केंद्रीय भूमिका निभाती है।

स्थायी पर्यटन अभ्यास पर्यावरण संरक्षण और सामुदायिक कल्याण को प्राथमिकता देते हैं, आर्थिक लाभों को अधिकतम करते हुए नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए पर्यटन विकास योजनाओं में स्थिरता को एकीकृत करते हैं। सरगुजा जैसे क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे की कमी और अपर्याप्त विपणन पर्यटन विकास के लिए महत्वपूर्ण बाधाएँ हैं, और परिवहन, आवास और प्रचार प्रयासों को बेहतर बनाने के लिए लक्षित सरकारी हस्तक्षेप की सिफारिश की जाती है।

ग्रामीण क्षेत्रों में सतत पर्यटन विकास का समर्थन करने वाले नीतिगत ढाँचों पर भी चर्चा की गई है, जिसमें स्थानीय सरकारों से पर्यटन लाभों के समान वितरण और स्थानीय संस्कृतियों के सम्मान को सुनिश्चित करने के लिए नियोजन प्रक्रिया में समुदायों को शामिल करने का आग्रह किया गया है। निष्कर्ष में, इन गतिशीलता की व्यापक समझ प्रभावी पर्यटन रणनीतियों को तैयार करने के लिए आवश्यक है जो स्थायी आर्थिक विकास को बढ़ावा देती हैं।

शोध पद्धति:

यह अध्ययन भारत के छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले में वाणिज्य पर पर्यटन के प्रभाव का पता लगाने के लिए मिश्रित-पद्धति अनुसंधान रचना का उपयोग करता है। सर्वेक्षण, साक्षात्कार और द्वितीयक स्रोतों के माध्यम से आँकड़े एकत्र किये गए है । स्थानीय व्यवसायों और हितधारकों का चयन करने के लिए एक उद्देश्यपूर्ण नमूनाकरण तकनीक का उपयोग किया गयाहै। पर्यटन के सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों पर हितधारकों के दृष्टिकोण को समझने के लिए वर्णनात्मक सांख्यिकी और विषयगत विश्लेषण का उपयोग करके मात्रात्मक डेटा का विश्लेषण किया गया है।

पर्यटन और सरगुजा जिले के वाणिज्य में इसकी भूमिका:

पर्यटन भारत के छत्तीसगढ़ में स्थित सरगुजा जिले के वाणिज्य और आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण घटक है। यह स्थानीय व्यवसायों के लिए राजस्व उत्पन्न करता है, रोजगार के अवसर निर्माण करता है और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देता है। पर्यटनपर्यटकों और स्थानीय समुदायों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी प्रोत्साहित करता है, जिससे आपसी सम्मान और समझ बढ़ती है। पर्यटन में वृद्धि से बुनियादी ढांचे का विकास होता है जिससे बेहतर सड़कें, परिवहन सेवाएँ और संचार सुविधाएँ मिलती हैं। चिकित्सा सुविधाओं स्वच्छता और सुरक्षा जैसी सेवाओं में निवेश से स्थानीय लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन पर्यटन का एक और महत्वपूर्ण पहलू है। सरगुजा के विविध प्राकृतिक संसाधनजिनमें जंगल, नदियाँ और वन्यजीव शामिल हैं, में इको-टूरिज्म की संभावना है, जो संधारणीय प्रथाओं और संरक्षण प्रयासों को प्रोत्साहित करता है। पर्यटन आगंतुकों और स्थानीय लोगों के बीच पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ा सकताहै।

विविध पर्यटक आकर्षण, जैसे झरने, जंगल और पहाड़ियाँ जैसे प्राकृतिक चमत्कार और मंदिर, प्राचीन खंडहर और सांस्कृतिक उत्सव जैसे ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल, पर्यटकों के अनुभव को समृद्ध करते हैं। हालांकिमौसमी और पर्यावरणीय प्रभाव जैसी चुनौतियों का समाधान किया जाना चाहिए। साल भर के आकर्षण विकसित करना और संधारणीय प्रथाओं को अपनाना इन मुद्दों को कम करने में मदद कर सकता है।

पर्यटन सरगुजा जिले के वाणिज्य का एक महत्वपूर्ण घटक है जो कई लाभ प्रदान करता है, साथ ही ऐसी चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करता है जिनका समाधान किया जाना चाहिए। संधारणीय प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करके और स्थानीय संस्कृति को बढ़ावा देकर,सरगुजा अपने पर्यटन क्षेत्र को बढ़ा सकता है, जिससे व्यापक आर्थिक विकास और सामुदायिक विकास हो सकता है।

परिणाम:

सरगुजा जिले में पर्यटन ने क्षेत्र की अर्थव्यवस्था, सामाजिक परिवर्तन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है। पर्यटन उद्योग ने व्यावसायिक आय में अनुमानित ३०% की वृद्धि की है, जिसका मुख्य कारण पर्यटकों की बढ़ती संख्या और स्थानीय वस्तुओं और सेवाओं पर खर्च में वृद्धि है। इस वृद्धि ने पर्यटन से संबंधितबुनियादी ढांचे में और अधिक निवेश को प्रोत्साहित किया है, जिससे आर्थिक विकास के चक्र को समर्थन मिला है और सतत विकास के अवसर निर्माण हुए हैं। इस क्षेत्र ने१,५०० से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों का सृजन किया है, जिससे क्षेत्र में बेरोजगारी दर में कमी आई है। आतिथ्य उद्योग में प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर निर्माण हुए हैं, जिसमें होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां शामिल हैं जो प्रामाणिक अनुभव चाहने वाले पर्यटकों की सेवा करते हैं। परिवहन (टैक्सी चालक, पर्यटक गाइड) और खुदरा (हस्तशिल्प, वस्त्र और स्थानीय विशेषताएँ बेचने वाली दुकानें) जैसी सहायक सेवाओं में अप्रत्यक्ष रोजगार निर्माण हुआ है। इन अवसरों ने कई निवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया है और ऐसे व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करके सामुदायिक कल्याण में योगदान दिया है जो अन्यथा बेरोजगार या कम रोजगार वाले हो सकते थे। पर्यटन उद्योग में मौसमी रोजगार ने किसानों और मजदूरों को अतिरिक्त आय भी प्रदान की है, जिससे कृषि पर निर्भरता से उत्पन्न होने वाली आर्थिक कमज़ोरियों में कमी आई है।

स्थानीय उद्यमियों को पर्यटन में उछाल से सशक्त बनाया गया है, जिससे एक जीवंत लघु-व्यवसाय पारिस्थितिकी तंत्र का उदय हुआ है। कई निवासियों ने आतिथ्य, परिवहन और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों में पर्यटन से संबंधित व्यवसाय स्थापित करके आगंतुकों की बढ़ती संख्या का लाभ उठाया है। इस उद्यमशीलता की गति ने निवासियों को अपने आय स्रोतों में विविधता लाने मेंसक्षम बनाकर सामुदायिक लचीलापन को बढ़ावा दिया है। स्थानीय उद्यमियों ने पर्यटकों के लिए तैयार की गई अभिनव सेवाएँ शुरू की हैं जैसे कि क्यूरेटेड सांस्कृतिक अनुभव,

प्रकृति ट्रेक और पारंपरिक पाककला कक्षाएं, जो जिले की आर्थिक जीवंतता में योगदान करती हैं और स्थानीय आबादी के बीच गर्व की भावना निर्माण करती हैं।

हालांकि, सरगुजा जिले में पर्यटन ने चुनौतियों को भी जन्म दिया है विशेष रूप से सांस्कृतिक वस्तुकरण और पर्यावरणीय स्थिरता से संबंधित। सांस्कृतिक वस्तुकरण की चिंताएँ सांस्कृतिक अनुभवों की बढ़ती माँग से उत्पन्न होती हैं, जिसके कारण पर्यटकों की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए स्थानीय अनुष्ठानों, त्योहारों और कला रूपों में संशोधन हो सकता है, जिससे उनकी प्रामाणिकता और मूल महत्व खो सकता है।

पर्यावरणीय स्थिरता एक और चिंता का विषय है, क्योंकि पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि से जिले में संभावित पर्यावरणीय चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं। लोकप्रिय पर्यटक आकर्षण, विशेष रूप से प्राकृतिक स्थल, कूड़े-कचरे, आवास व्यवधान और संसाधनों की कमी जैसे मुद्दों के प्रति संवेदनशील हैं। स्थानीय अधिकारियों और हितधारकों के लिए पर्यटन विकास को पारिस्थितिक संरक्षण के साथ संतुलित करना महत्वपूर्ण है। पर्यटकों और स्थानीय निवासियों दोनों को लक्षित करते हुए अपशिष्ट प्रबंधन पहल, पर्यावरण के अनुकूल आवास विकल्प और जागरूकता अभियान जैसे संधारणीय प्रथाओं को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सरगुजा जिले में पर्यटन आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक साबित हुआ है। हालाँकि, सांस्कृतिक वस्तुकरण और पर्यावरणीय स्थिरता से जुड़ी चुनौतियाँ संतुलित विकास की आवश्यकता को रेखांकित करती हैं। संधारणीय पर्यटन प्रथाओं को लागू करना, जिम्मेदार आगंतुक व्यवहार को बढ़ावा देना और सांस्कृतिक प्रामाणिकता को संरक्षित करना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होगा कि पर्यटन इस क्षेत्र को लाभान्वित करता रहे और साथ ही इसकी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की रक्षा करता रहे।

चर्चा:

सरगुजा जिले के वाणिज्य में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है जो आर्थिक विकास और सामुदायिक विकास दोनों में योगदान देता है। हालांकि, जिले को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें सतत विकास सुनिश्चित करने के लिए संबोधित किया जानाचाहिए। सरगुजा जिले में बुनियादी ढांचे की कमी है, जो पर्यटन क्षेत्र के निरंतर विकास के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियां पेश करती है। पर्यटकों की संख्या में वृद्धि ने स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा दिया है, लेकिन यह क्षेत्र अपर्याप्त परिवहन नेटवर्क, सीमित आवास विकल्पों और अपर्याप्त पर्यटक सुविधाओं से जूझ रहा है। ये मुद्दे समग्र पर्यटक अनुभव को प्रभावित कर सकते हैं, संभावित रूप से बार-बार आने वाले पर्यटकों और नए पर्यटकों के आगमन को हतोत्साहित कर सकते हैं। पर्यटन के अवसरों का पूरा लाभ उठाने के लिए, बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश की सख्त जरूरत है। आगंतुकों के लिए आसान पहुंच की सुविधा के लिए सड़कों और प्रमुख शहरों से कनेक्टिविटी सहित परिवहन सेवाओं को बढ़ाना आवश्यक है। इसी तरह, बजट गेस्टहाउस से लेकर पर्यावरण के अनुकूल रिसॉर्ट तक आवास सुविधाओं का विस्तार और उन्नयन पर्यटकों की विविध जरूरतों को पूरा कर सकता है। इस तरह के बुनियादी ढांचे में सुधार से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा बल्कि आवश्यक सेवाओं और बाजारों तक पहुंच में सुधार करके स्थानीय निवासियों को भी लाभ होगा, जिससे अंततः समुदाय के लिए जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

पर्यटन में वृद्धि ने पर्यावरण संबंधी चिंताओं को जन्म दिया है, जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। प्राकृतिक आकर्षणों पर पैदल यातायात में वृद्धि, पर्यटन सुविधाओं के निर्माण के साथ, प्राकृतिक संसाधनों के क्षरण का कारण बन सकती है। चुनौती पर्यटन विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन खोजने में है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्षेत्र की प्राकृतिक सुंदरता, जो पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण के रूप में कार्य करती है, भविष्य की पीढ़ियों के लिए संरक्षित है।

इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, स्थायी पर्यटन प्रथाओं को प्राथमिकता देना अनिवार्य है। सामुदायिक जुड़ाव, पर्यावरण के अनुकूल प्रथाएँ और सांस्कृतिक संवेदनशीलता स्थायी पर्यटन को प्राप्त करने के लिए प्रमुख दृष्टिकोण हैं। पर्यटन नियोजन और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में स्थानीय समुदायों को शामिल करना सुनिश्चित करता है कि उनकी ज़रूरतों और सांस्कृतिक मूल्यों का सम्मान किया जाता है, जिससे अधिक टिकाऊ पर्यटन परिणाम प्राप्त होते हैं। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करने वाले इकोलॉज और ग्रीन होटलों के विकास को प्रोत्साहित करना, पानी के उपयोग को कम करना और अपशिष्ट को कम करना पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने में मदद कर सकता है।

सरगुजा जिले में पर्यटन आर्थिक विकास और सामुदायिक सशक्तिकरण का एक महत्वपूर्ण चालक साबित हुआ है। स्थायी पर्यटन प्रथाओं को प्राथमिकता देकर, जिला यह सुनिश्चित कर सकता है कि पर्यटन के आर्थिक लाभ अपनी सांस्कृतिक और पर्यावरणीय अखंडता से समझौता किए बिना महसूस किए जाएँ। सरकार, स्थानीय समुदाय और व्यवसायों सहित हितधारकों को स्थायी नीतियों और प्रथाओं को लागू करने के लिए निरंतर सहयोग करना चाहिए।

सरगुजा जिले में पर्यटन वणिज्य के एक बुनियादी स्तंभ के रूप में उभर रहा है जो आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देता है। इस क्षेत्र ने महत्वपूर्ण राजस्व सृजन और रोजगार सृजन, स्थानीय उद्यमियों को सशक्त बनाने और आजीविका को बढ़ाने के माध्यम से अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है। पर्यटकों की आमद ने न केवल व्यावसायिक आय में वृद्धि की है, बल्कि स्थानीय उद्यमिता को भी बढ़ावा दिया है, जो समुदाय की लचीलापन और रचनात्मकता को प्रदर्शित करता है।

हालांकि, पर्यटन का तेजी से विकास चुनौतियों को भी प्रस्तुत करता है, जिन्हें सावधानीपूर्वक प्रबंधित किया जाना चाहिए। बुनियादी ढांचे की कमी पर्यटन क्षेत्र की पूरी क्षमता को सीमित कर सकती है, जबकि पर्यावरण संबंधी चिंताएँ आगंतुकों को आकर्षित करने वाले प्राकृतिक संसाधनों को खतरे में डालती हैं। इसके अतिरिक्त, सांस्कृतिक वस्तुकरण का जोखिम स्थानीय परंपराओं की प्रामाणिकता को बनाए रखने के बारे में महत्वपूर्ण प्रश्न उठाता है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि पर्यटन के लाभ टिकाऊ और न्यायसंगत हों, जिम्मेदार और टिकाऊ पर्यटन प्रथाओं को प्राथमिकता देना आवश्यक है। इसमें स्थानीय समुदायों को पर्यटन योजना में शामिल करना, पर्यावरण के अनुकूल पहलों को बढ़ावा देना और सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा करना शामिल है। एक समग्र दृष्टिकोण अपनाकर जो आर्थिक विकास को पर्यावरणीय प्रबंधन और सांस्कृतिक संरक्षण के साथ संतुलित करता है, सरगुजा एक जीवंत पर्यटन उद्योग बना सकता है जो न केवल इसकी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देता है बल्कि इसके निवासियों के जीवन को समृद्ध बनाता है और भविष्य की पीढ़ियों के लिए अपनी अनूठी विरासत की रक्षा करता है।

पर्यटन सरगुजा जिले के वाणिज्य के लिए बहुत आशाजनक है, और विचारशील प्रबंधन और टिकाऊ प्रथाओं के साथ, यह एक समृद्ध और लचीले भविष्य में योगदान दे सकता है।

निष्कर्ष:

पर्यटन सरगुजा जिले के वाणिज्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और सांस्कृतिक संरक्षण में योगदान देता है। जिले की समृद्ध प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक स्थल और सांस्कृतिक विरासत घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों पर्यटकों को आकर्षित करती है, जो बदले में आतिथ्य, परिवहन और हस्तशिल्प सहित स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा देती है। पर्यटन से उत्पन्न राजस्व स्थानीय समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों को ऊपर उठाने में मदद करता है, जिससे उद्यमिता और कौशल विकास के लिए कई अवसर पैदा होते हैं। हालाँकि, इसकी क्षमता को अधिकतम करने के लिए, बेहतर बुनियादी ढाँचे, पर्यटक स्थलों के बेहतर प्रचार और प्राकृतिक और सांस्कृतिक संसाधनों को संरक्षित करने के लिए स्थायी प्रथाओं की आवश्यकता है। पर्यटन का रणनीतिक रूप से दोहन करके, सरगुजा जिला अपनी व्यावसायिक संभावनाओं को और बढ़ा सकता है और अपने निवासियों के लिए समावेशी विकास सुनिश्चित कर सकता है।

संदर्भ:

1. *Amita, G. (2014). Economic impact of tourism in the economy of Uttaranchal with special reference to Char Dham Yatra.*
2. *Archer, B. H. (1982). The value of multipliers and their policy implications. Tourism Management, 3(3), 236-241.*
3. *Borkotoky, R. (2002). Tourism as a potential catalyst of economic empowerment of Assam: A study of Kaziranga National Park.*
4. *Dowling, R. (1993). An environmentally based planning model for regional tourism development. Journal of Sustainable Tourism, 1(1), 17-37.*
5. *Dwivedi, P. S., & Jain, D. K. (2016). Positioning Chhattisgarh State as a tourist destination. Asian Journal of Management and Research, 3(4), 374–378. http://aujournals.ipublisher.in/File_upload/89914_9114735.pdf*

6. *Firdausi, S. F. D. (2014). Changing nature of tourist and tourism in India: A politico-geographic analysis.*
7. *Kotler, P., Bowen, T. J., & Makens, J. (2014). Marketing for hospitality and tourism. Dorling Kindersley (India) Pvt. Ltd.*
8. *Ministry of Tourism, Government of India. (2002). Tourism policy. Ministry of Tourism, Govt. of India.*
9. *Nirmita, P. (2005). A geo-cultural analysis and tourism development in Hoogly district.*
10. *Prasanta, B. (2002). Status and potentiality of tourism in Assam: A geographical analysis.*
11. *Saleem, M. (2014). Geographical analysis of tourism in Kashmir region.*
12. *Simmons, D. (1994). Community participation in tourism planning. Tourism Management, 15(2), 98-108.*
13. *Tadesse, B. (2010). Biodiversity conservation and eco-tourism in Semen Mountains National Park, Ethiopia.*
14. *Thommen, J. (2015). Experience Chhattisgarh on the road. Bennett, Coleman & Co. Ltd.*
15. *TC, G., & ND, M. (2016). Development of tourism industry and marketing in Chhattisgarh. Journal of Tourism & Hospitality, 5(3). https://doi.org/10.4172/2167-0269.1000219*
16. *Tourism Survey for the State of Chhattisgarh (June 2011-May 2012). Ministry of Tourism, Government of India.*
17. *Regional Tourism Satellite Account, Chhattisgarh, 2009-10. Commissioned by Ministry of Tourism, Government of India.*
18. *A critique of the Government of Chhattisgarh's tourism policy (15 Jan 2007). EQUATIONS.*
19. *Chhattisgarh Tourism. https://www.chhattisgarhtourism.in/*
20. *Development of Tourism Industry and Marketing in Chhattisgarh. Journal of Tourism & Hospitality.*
21. *Shodhganga: Status and potentiality of tourism in Assam. https://shodhganga.inflibnet.ac.in/handle/10603/98411*
22. *Surguja Tourism. https://surguja.gov.in/en/tourism/*
23. *Visit Chhattisgarh. http://visitcg.in/*
24. *Ministry of Tourism, Government of India. http://tourism.gov.in/*
25. *ResearchGate: Chhattisgarh at a glance. https://www.researchgate.net/publication/320735605_Chhattisgarh-At_a_Glance*

LBP PUBLICATION